

मराठा नाम वारालीटा भाना नं. 188 घास मेंदनी नगर जिला पलाय

प्रमाण 16 । १ मीटर

(विक्री क्षमता नगर में लाल के से दराघा गाड़ है)

- विक्री का नाम - 1. श्री रामाधार तिवारी
 2. श्री बिवक्षुभार तिवारी { लोनी का निल २५० गन्हा तिवारी
 3. श्री अरुण कुमार तिवारी } निवासी ग्राम वारालीटा भाना
 मेंदनी नगर जिला पलाय आरबृद ।

क्षेत्र का नाम - १. चंद्रशेखर कुमार यिता श्री गन्हा प्रसाद निवासी ग्राम
 रेड्मा वाइपास रोड नीट काली मंदिर भाना मेंदनी नगर
 जिला पलाय आरबृद ।

रक्षण
123

फोटो-

रक्षण
160

रक्षण
 $1\frac{7}{50}$

ब्रह्मा गंडी
५०६

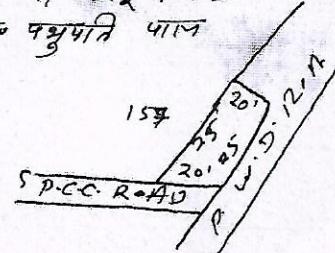
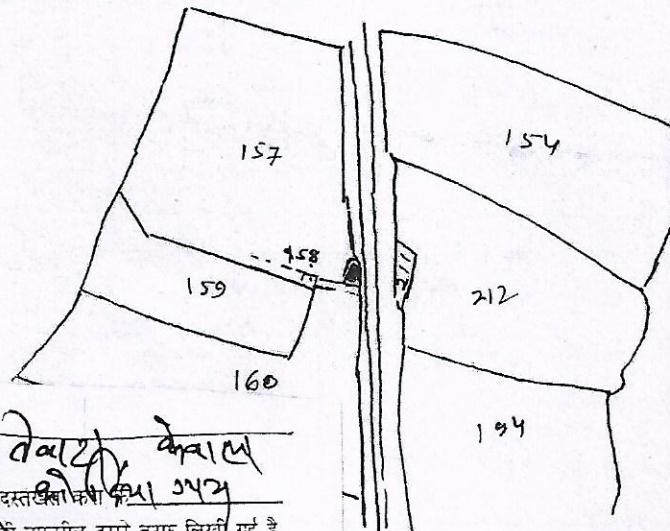
गोट:- उत्तर है शहिर दोनों तरफ २५०°
 पुरब से भवित्व दोनों तरफ २०१°

गोट- 3. श्री इल्लू गंडी आग

४. श्री सी सी टोड

५. श्री इल्लू गंडी टोड

६. चुप्पति धाल



प्रमाणित किया गया है कि
 केवल नगर के ऊपर का
 हुक्म नहीं है

३) ग्राम (विवरण) केवल

१८१८ वर्ष के दस्तावेज की गई है

या ग्राम इसके बाद नियमित रूप से तुरफ लियी गई है

पाया।

१८१८-१०२०८

पानवाले का दस्तावेज

वह फीस जो उस दस्तावेज की नियमित तरीके गई कि जिसकी
 तरीके इसमें लिखी दी गई है, अगर उसकी रजिस्ट्री करने से इनकार
 जाये या उसकी नियमित कुछ ज्यादा फीस ले तो तीर्थी हो तो या
 यायगी और अगर किसी कर्मचारी या मुलाहजे के लिये खरचा
 या गया हो तो वह दोनों वातें न की गई हों तो हर हालत
 रीकों को इस दस्तावेज की वारिये से अपना रूपया वापस लेना
 चाहिए।

अगर किसी दस्तावेज की रजिस्ट्री पूरी हो जाने या रजिस्ट्री
 नकार करने के बाद एक महीने से ज्यादा गुजर जाय और तब
 तीव्र वापसी के लिये दरखास्त दी जाय तो दस्तावेज की रजिस्ट्री
 हो जाने या रजिस्ट्री से इनकार करने के बाद, जैसी हालत हो,
 एक महीने के बाद से हर महीने या महीने के कुछ हिस्से के लिये
 ऐसे दस्तावेज पर आठ आना फीस ली जायगी।

पर शर्त यह है कि किसी भी हालत में ऐसी फीस की रकम
 रूपये से ज्यादा न होगी।

४८ | ग्राम (विवरण) वर्ष १८१८-१०८

[२] १८१८-१०८ १८१८-१०८
 २८. ३१.१०८ कुमार निवारि १८१८-१०८